



Hargharpanditji

श्री महामृत्युंजय मंत्र
ॐ नमः शिवाय

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री महामृत्युंजय मंत्र ॥

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे
सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान्
मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्॥

अर्थ

हम तीन नेत्र वाले भगवान शिव की उपासना करते हैं,
जो सुगंध की तरह सर्वत्र व्याप्त हैं,
जो सबका पोषण करते हैं।
जैसे पका हुआ फल डंठल से अलग हो जाता है,
वैसे ही हमें मृत्यु और बंधनों से मुक्त करें,
और अमृत स्वरूप प्रदान करें।

जाप विधि

सुबह ब्रह्म मुहूर्त या शाम संध्या समय जप करें।
रुद्राक्ष माला से 108 बार जप उत्तम है।
रोग निवारण हेतु 21 बार जप करें।
संकट समय 11 बार जप करें।
सोमवार और महाशिवरात्रि विशेष शुभ है।

महत्व

भय दूर करता है।
रोग शांति देता है।
मन को स्थिर करता है।
दीर्घायु की कामना हेतु श्रेष्ठ।
नकारात्मकता दूर करता है।
आध्यात्मिक शक्ति देता है।